प्रादर्श प्रश्न पत्र 2012

विषय – सामान्य हिन्दी

कक्षा – बारहवीं

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक उनके सामने अंकित है।
3. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए $1 \times 5 \times 5 = 25$ अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 6 से 15 तक में प्रत्येक का उत्तर लगभग 50 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 16 से 20 तक में प्रत्येक का उत्तर 100 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 21 का उत्तर लगभग 250/300 शब्दों में लिखिए। इसके लिए 10 अंक निर्धारित है।

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये विकल्पों में से उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

1. गांधी जी ने पत्र.....के नाम लिखा।
   (पुत्र/कस्तूरबा)
2. .....राजकुमार सिद्धार्थ की पत्नी थी।
   (यशोदा/यशोधरा)
3. सलिल का पयार्यवाची.....है।
   (जल/दूध)

4. लोकपाल.....शब्द है।

(तत्सम / तद्भव।)

5. रहीम काव्य का मुख्य विषय.....है।

(नीति / वात्सल्य)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कर लिखिए –

(1) निष्ठामूर्ति कस्तूरबा गद्य की किस विधा के अन्तर्गत आता है –

(अ) निबंध (ब) एकांकी

(स) संस्मरण (द) कहानी

(2) मुंह लटकाना मुहावरे का अर्थ है –

(अ) बिलखकर रोना (ब) निराश होना

(स) इंकार करना (द) चुप रहना

(3) प्रशासनिक शब्द कौन सा है –

(अ) जनगणना (ब) अनुबंध

(स) पर्यवेक्षक (द) रेखाचित्र

(4) आरोग्य बनाने की शक्ति होती है –

(अ) नगरीय जीवन में (ब) प्राकृतिक जीवन में

(स) ग्रामीण जीवन में (द) कृत्रिम जीवन में

(5) संसार को सुखद और सरल बनाने वाला भाव है –

(अ) वात्सल्य भाव (ब) भक्ति भाव

(स) स्वार्थ भाव (द) अहिंसा भाव

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों से सत्य / असत्य छांटकर लिखिए –

1. सार्थक शब्दों का समूह वाक्य कहलाता है।
2. भारतेन्दु युग हिन्दी निबंध के उद्भव का काल है।
3. होम करते हाथ जलना का अर्थ है हाथ जल जाना।

4. पर्वत राज हिमालय को कहा जाता है

5. हंसिनी की भविष्यवाणी पाठ निबंध विधा है।

प्रश्न 4. स्तंभ ''क'' से ''ख'' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए –

	क	–	**ख**
(1)	ठेस	–	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
(2)	नर से नारायण	–	देवेन्द्र दीपक
(3)	मेरे सपनों का भारत	–	फणीश्वर नाथ रेणु
(4)	पुस्तक	–	बाबू गुलाब राय
(5)	जागो फिर एक बार	–	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए –

1. 2500 वर्ष पहले किस चिकित्सक ने जटिल शल्य क्रियाएं की थी?
2. हिमालय पर्वत से कौन सी पवित्र नदी निकलती है?
3. किस प्रकार की सेना को चतुरंगीनी सेना कहा गया है?
4. किस वाक्य से संदेह का भाव प्रकट होता है?
5. विश्व वेदना में कौन सा समास है?

प्रश्न 6. यशोदा ने कृष्ण को वन की क्या–क्या कठिनाइयां बताई? (कोई चार)

अथवा

समुद्र के जल की अपेक्षा कुएं के जल की प्रशंसा क्यों की है?

प्रश्न 7. रवीन्द्र नाथ टैगोर की सौंदर्य की अनुभूति कैसे हुई?

अथवा

बल और बुद्धि में पारस्परिक संबंध है। उदाहरण सहित समझाइऐ।

प्रश्न 8. सिंहनी और मेष माता में क्या अंतर है?

अथवा

पंचतत्वों के किन गुणों को मां धारण किए हुए है?

प्रश्न 9. नालंदा विश्वविद्यालय की कोई चार विशेषताएं लिखिए।

अथवा

लोगों की सिरचन के प्रति क्या धारणा थी?

प्रश्न 10. छत्रसाल की बरछी और भुजंगनी में क्या साम्य है?

अथवा

कवि ने हिमालय से हमारे कई संबंध बताए है, उनमें से किन्ही चार का उल्लेख कीजिए।

प्रश्न 11. लेखक के अनुसार नारी किस तरह भारतीय एकता का प्रतीक बन रही है?

अथवा

जब बिजली चली गई तब लेखक को किन–किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ा?

प्रश्न 12. द्विवेदी युग की चार प्रमुख विशेषताएं लिखिए।

अथवा

शुक्ल युग के निबंध की तीन विशेषताएं लिखते हुए दो निबंधकारों के नाम लिखिए।

प्रश्न 13. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।

1. साहित्य और जीवन में घोर संबंध है।

2. आविष्कार आवश्यकता की जननी है।

3. कंचन 26 जनवरी को भाषण बोलेगी।

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं दो मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

1. पांचों उंगलियां घी में।

2. आकाश के तारे तोड़ना।

3. सूरज को दीपक दिखाना।

अथवा

(अ) निम्नलिखित दो–दो पयार्यवाची शब्द लिखिए।

1. चन्द्रमा

2. जल

3. नदी

(ब) निम्नलिखित में से निर्देशानुसार कोई दो वाक्य परिवर्तित कीजिए।

(1) वह जो खोलकर दान देता है। (निषेधवाचक)

(2) संसार में सब सुखी हो जाएं। (प्रश्नवाचक)

(3) गांधी जी का नाम किसने नहीं सुना है? (विधानवाचक)

प्रश्न 14. (अ) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के अनेक शब्दों के लिए एक शब्द लिखिए।

1. ऐसी वस्तु जिसका कोई मूल्य न हो।

2. जो आकाश से कहीं बढ़कर हो।

3. जो आखों के सामने हो।

4. जो वेतन पर काम करें।

(ब) निम्नलिखित में से किन्हीं दो के विलोम शब्द लिखिए।

1. क्रय

2. कृष्ण

3. कपट,

4. आधुनिक

अथवा

(अ) उचित विराम चिन्हों का प्रयोग कीजिए।

मैं बहुत सोचती थी कि लखिया कौन है वह जेल क्यों आई एक दिन अचानक मैंने मेट्रन से पूछा जिसका उत्तर मिला ओह ये बड़ी खतरनाक औरत है इसने पुलिस को मारा है पुलिस को पर हमने इसका दिमाग ठीक कर दिया है आपको कोई तकलीफ तो नही देती

(ब) निम्नलिखित शब्दों का समास विग्रह कर समास का नाम लिखिए।

1. पर्वतारोहण
2. रामकहानी
3. कमलनयन

प्रश्न 15. (अ) तकनीकी शब्द को परिभाषित कीजिए।

(ब) निम्नलिखित शब्दों के हिन्दी रूप लिखिए। कोई दो

1. नाइट
2. फैमिली
3. काबिल
4. सलीका

अथवा

(अ) संधि और समास में अंतर बताइए।

(ब) भाव पल्लवन कीजिए

''हमारी संस्कृति की जड़े आज भी काफी मजबूत है।''

प्रश्न 16. अतीत में शिक्षा के क्षेत्र में भारत को बहुत उन्नत क्यों कहा गया?

अथवा

केरल के गांवों की कौन–कौन सी विशेषताएं है?

प्रश्न 17. निम्नांकित पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

मां बस यह वरदान चाहिए,
जीवन पथ जो कंटकमय हो,
विपदाओं का घोर वलय हो,
किन्तु कामना एक यही बस,
प्रतिपल पग गतिमान चाहिए।

अथवा

रहिमन बहु भेषज करत, व्याधि न छांडत साथ।
खग मृग बासत आरोग्य बन, हरि अनाथ के नाथ।।

प्रश्न 18. निम्नांकित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

''निज राष्ट्र के शरीर के सिंगार के लिये
तुम कल्पना करो नवीन कल्पना करो,
तुम कल्पना करो।
अब देश है स्वतंत्र, मेदिनी स्वतंत्र है,
मधुमास है स्वतंत्र, चांदनी स्वतंत्र है।
अब शक्ति की ज्वलन्त दामिनी स्वतंत्र है।
लेकर अनन्त शक्तियां सहा समृद्धि की,
तुम कामना करो, किशोर कामना करो,
तुम कामना करो।।''

प्रश्न 1. प्रस्तुत पद्यांश का भाव स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 2. प्रस्तुत पद्यांश का शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 3. कवि किसको संबोधित कर रहा है?

प्रश्न 4. कवि क्या चाहता है?

प्रश्न 19. निम्नांकित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

वर्तमान युग संघर्ष और प्रतिस्पर्द्धा का है, मानव जीवन में सुख और संतोष में जो गिरावट आयी है उससे परस्पर मानव व्यवहारों में असंतुलन दिखायी देता है। जीवन स्तर को उन्नत करने के लिए प्रतिस्पर्द्धा हो रही है। नैतिक और सामाजिक मूल्य पतित हो रहे है। भोजन, वस्त्र, आवास जैसी बुनियादी सुविधाएं दूभर हो रही है। व्यक्ति अपने स्वार्थ की सीमाओं में ही कैद हो गया है।

प्रश्न 1. उपयुक्त शीर्षक दीजिए।

प्रश्न 2. सारांश लिखिए।

प्रश्न 3. वर्तमान युग में किस प्रकार का संघर्ष है?

प्रश्न 4. वर्तमान युग में किन मूल्यों के पतित होने की बात कही गई है।

प्रश्न 20. अपने विद्यालय के प्राचार्य महोदय को चरित्र प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

जन्मदिवस समारोह में सम्मिलित होने के लिये अपने मित्र को आमंत्रण पत्र लिखिए।

प्रश्न 21. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 250 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. समय का सदुपयोग।
2. शिक्षित बेरोजगारी की समस्या–निदान।
3. समाज में नारी का स्थान।
4. वृक्षारोपण।
5. कम्प्यूटर – आज के जीवन की आवश्यकता।

– – – – – –

आदर्श उत्तर
विषय – सामान्य हिन्दी
कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान –

1. पुत्र
2. यशोधरा
3. जल
4. तत्सम
5. नीति

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन –

1. संस्मरण।
2. इंकार।
3. पर्यवेक्षक
4. प्राकृतिक जीवन में
5. वात्सल्य भाव

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 3. सत्य/असत्य का चयन–

(1) सत्य।

(2) सत्य।

(3) असत्य।

(4) सत्य।

(5) असत्य।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 4. सही जोडियां –

	क		**ख**
(1)	ठेस	–	फणीश्वर नाथ रेणु
(2)	नर से नारायण	–	बाबू गुलाब राय
(3)	मेरे सपनों का भारत	–	डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम
(4)	पुस्तक	–	देवेन्द्र दीपक
(5)	जागो फिर एक बार	–	सूर्यकांत त्रिपाठी निराला

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर –

1. सुश्रुत।
2. गंगा।
3. हाथी, घोड़ा, रथ और पैदल।
4. संदेहवाचक।
5. तत्पुरूष।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 6. यशोदा ने कृष्ण को वन की निम्नलिखित कठिनायां बताई –

1. वन बहुत दूर है तुम छोटे–छोटे पांव से चलकर कैसे जाओगे।
2. वन से घर लौटते हुए रात हो जाती है।
3. प्रातः घर से जाओगे और रात को घर लौटोगे तो भूख, प्यास से व्याकुल हो जाओगे।

4. गायों के पीछे–पीछे घूमते रहने के कारण गर्मी से तुम्हारा कमल समान कोमल मुख मुरझा जायेगा।

उपरोक्तानुसार 4 बिन्दुओं एवं कोई अन्य बिन्दुओं पर भी विस्तार से दिये जाने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कुएं के जल को पीकर मनुष्य की प्यास बुझती है, उसके हृदय को तृप्ति का अनुभव होता है, जबकि समुद्र के जल से व्यक्ति प्यास नहीं बुझा पाता है। वह प्यासा ही रह जाता है, अतः कुएं का जल तृप्ति कारक है। इसलिए उसकी प्रशंसा की जाती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल चार अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. ठण्डी हवा का झोंका आया और रवीन्द्र नाथ टैगोर का पूरा शरीर चन्द्रमा की चांदनी में नहा गया। वे प्राकृतिक सौंदर्य में इतने डूब गये कि उनके मुख से निकल पड़ा कि यह है सौन्दर्य इस प्रकार की उन्हें सौन्दर्यानुभूति हुई।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल चार अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

बल और बुद्धि में पारस्परिक संबंध है क्योंकि बुद्धि कौशल के बिना बल व्यर्थ थे। उदाहरणार्थ– राजदूतों में बल था लेकिन बुद्धि कौशल का अभाव था। वे युद्ध भूमि में शत्रुओं से सिंह की भांति लड़े। उनकी वीरता की शत्रु–मित्र सभी ने प्रशंसा की। इतनी वीरता दिखाने के बाद भी वे पराजित हुए। यदि उनमें बल के साथ बुद्धि कौशल होता तो उनका इतिहास कुछ और ही होता।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल चार अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. सिंहनी शक्तिशाली होती है ओर मेष माता दुर्बल होती है। सिंहनी के बच्चे को जब कोई छीनने या उठाने का प्रयास करता है तो वह चुप नहीं रहती अपितु क्रोधित होकर इतने जोर से दहाड़ती है कि बच्चे को उठाने वाले हाथ अपने आप पीछे हट जाते है। जबकि मेष माता अपने बच्चे को उठाते हुए देखकर भी चुपचाप रहती है वह कुछ नहीं करती, केवल आंसू बहाती रह जाती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल चार अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पृथ्वी, आकाश, अग्नि, जल और वायु ये पांच तत्व होते है। मां इन सभी गुणों को धारण किये हुए है। मां पृथ्वी का गुण, धैर्य, आकाश के गुण चैतन्य अथवा प्रकाश को, अग्नि के गुण तीव्रता, पवन की गतिमयी व्यापकता तथा जल के गुण गंभीरता को धारण किये हुए है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल चार अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. नालंदा विश्वविद्यालय की चार विशेषतएं –

1. नालंदा विश्वविद्यालय में पुस्तकालय एक विशिष्ट क्षेत्र था।
2. उसे धर्मगंज भी कहा जाता था।
3. पुस्तकालय में रत्नसागर, रत्नोदधि और रत्नरंजक नामक तीन विशाल पुस्तकालय थे।
4. रत्नसागर पुस्तकालय का भवन नौ मंजिला था।

उपरोक्तानुसार 4 बिन्दुओं एवं कोई अन्य बिन्दुओं पर भी विस्तार से दिये जाने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

गांव के लोगों की सिरचन के प्रति दो धारणाएं मिलती है, पहले लोग उसे एक कुशल कलाकार मानते है जो केवल पारिश्रमिक को ध्यान में रखकर कार्य नहीं करता। उसके जैसा शीतलपाटी, चिकमोढ़, जाले और छतरी टोपी बनाने वाला

कारीगर उस गांव में नहीं है। पहले लोग उसका सम्मान करते है। समय के साथ–साथ सिरचन के प्रति लोगों की धारणा बदल जाती है कि सिरचन मुक्तखोर, कामचोर, चटोर होने के साथ–साथ घमण्डी और मुंह फट है। लोग उसके काम को बेकार का काम समझते है और उसे कोई महत्व नहीं देते है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल चार अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. जिस प्रकार नागिन सदैव शेषनाग के साथ रहती है और अपने शत्रुओं को खोज–खोजकर डांसती है, अर्थात उसके प्राण ले लेती है। उसी प्रकार छत्रसाल की बरछी सदा उनकी भुजा के साथ रहती है और वह भी शत्रुओं को खोज–खोजकर संहार करती है। नागिन और बरछी दोनों शत्रुओं का संहार करती है। दोनों में यही साम्य है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल चार अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

1. हिमालय पर्वत पर जिस प्रकार प्रभात और संध्या की लालिमा समान होती है उसी प्रकार भारतीय सुख दुख को समान भाव से ग्रहण करते है।
2. हिमालय पर्वत की भांति भारतवासी भी अटल, आडिग और अविचल है।
3. हिमालय तूफानों से लड़ने में समर्थ है तो लड़ने की यह शक्ति प्रत्येक भारतीय के पास है।
4. हिमालय का सौन्दर्य दोनों समय समान होता है उसी प्रकार भारतीयों का मन।

उपरोक्तानुसार 4 बिन्दुओं एवं कोई अन्य बिन्दुओं पर भी विस्तार से दिये जाने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. हिन्दी फिल्मों के प्रभाव के कारण आधुनिक महाराष्ट्र, तमिल और केरल नारी की वेशभूषा समान होती जा रही है, सभी स्त्रियां एक जैसी साड़ी पहनती है। जिसका एक छोर दक्षिण कंधे से होता हुआ पीछे एड़ी से छूता हुआ झुलता है,

उसका सिर सदा खुला रहने का रिवाज धीरे–धीरे उत्तर के शिक्षित घरों में भी बढ़ रहा है। इस प्रकार लेखक के अनुसार वेशभूषा में भारतीय नारी एकता की प्रतीक बनती जा रही है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल चार अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

बिजली के गुल हो जाने पर सारा घर गहन अंधकार में डूब गया। हाथ को हाथ सुझायी नहीं देता था। सर से सर टकराने की स्थिति आ गयी। लालटेन ढूंढी गई तो उसमें तेल नहीं था। घर में माचिस तक नहीं मिली, रोशन दानों से तहखाने में पानी गिर रहा था, जैसे–तैसे दीपक जलाया गया लेकिन वह तेज हवा के कारण बुझ गया। लेखक के नौकर पड़ोस से लालटेन मांग कर लाये, इस प्रकार प्रकाश की व्यवस्था होने पर सब लोग घर के भीतर बैठ गये।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल चार अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. द्विवेदी युग की चार विशेषताएं –

1. विषयवस्तु की गंभीरता।
2. समाज सुधार की भावना।
3. हास्य की परिनिष्ठता।
4. हास्य व्यंग्यात्मक शैली।

उपरोक्तानुसार 4 बिन्दुओं एवं कोई अन्य बिन्दुओं पर भी विस्तार से दिये जाने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

शुक्ल युग के निबन्धों की तीन विशेषतएं

1. गंभीर विचारात्मक एवं उदस्त भाव प्रधान निबंध।
2. विषय प्रधान निबंध।
3. विषयवस्तु में पर्याप्त विविधता।

दो निबंधकार –

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल।
2. बाबू गुलाबराय।

उपरोक्तानुसार 4 बिन्दुओं एवं कोई अन्य बिन्दुओं पर भी विस्तार से दिये जाने पर प्रत्येक बिन्दु पर 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. (अ) वाक्यों का शुद्ध रूप :–

1. साहित्य और जीवन में घनिष्ट संबंध है।
2. आवश्यकता आविष्कार की जननी है।
3. कंचन 26 जनवरी को भाषण देगी।

(ब) मुहावरों का अर्थ :–

1. भरपूर लाभ होना।
   वाक्य– खिलाड़ियों को मेडल जीतने के साथ नगद राशि भी प्राप्त हुई इसे कहते है पांचों उंगलियां घी में होना।
2. असंभव कार्य करना।
   वाक्य– हिमालय की चोटी पर चढ़ना आकाश के तारे तोड़ना है।
3. ज्ञानवान को ज्ञान देना।
   वाक्य– पंडित को ज्ञान देना सूरज को दीपक दिखाने के समान है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल चार अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4 अंक)

अथवा

(अ) पर्यायवाची शब्द –

1. चन्द्रमा – शशि, मयंक, रजनीश
2. जल – नीर, सलिल, पानी
3. नदी – सरिता, नद

(ब) निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन :–

1. वह जी खोलकर दान नहीं देता।
2. क्या संसार में सुखी हो जाए?
3. गांधी जी का नाम सबने सुना है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल चार अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4 अंक)

उत्तर 14. (अ) अनेक शब्द के लिए एक शब्द –

1. अमूल्य।
2. आशातीत।
3. प्रत्यक्ष।
4. वैतनिक।

(ब) विलोम शब्द –

1. विक्रय।
2. श्वेत।
3. निष्कपट।
4. प्राचीन।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल चार अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4 अंक)

अथवा

(अ) मैं बहुत सोचती थी, कि लखिया कौन है? वह जेल क्यों आयी? एक दिन अचानक मैने मेट्रन से पूछा, जिसका उत्तर मिला, ओह! ये बहुत खतरनाक औरत है, इसने पुलिस को मारा है, पुलिस को, पर हमने इसका दिमाग ठीक कर दिया है, आपको कोई तकलीफ तो नहीं देती?

(ब) समास विग्रह –

1. पर्वत पर चढ़ना – तत्पुरूष समास
2. राम की कहानी – तत्पुरूष समास

3. कमल के समान नयन – कर्मधारय समास

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल चार अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4 अंक)

उत्तर 15. (अ) तकनीकी शब्द वह शब्द है, जो किसी निर्मित अथवा खोजी गई वस्तु अथवा विचार को व्यक्त करता हो। कोश ग्रंथो के अनुसार तकनीकी शब्द किसी ज्ञान विज्ञान के विशेष क्षेत्र में एक विशिष्ट तथा निश्चित अर्थ में प्रयुक्त किया जाता है

(ब) निम्नलिखित शब्दों के हिन्दी रूप –

1. रात
2. पारिवारिक
3. योग्य
4. व्यवस्थित, ढंग

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल चार अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4 अंक)

अथवा

(अ) संधि–समास में अंतर –

संधि– दो वर्णो के योग को संधि कहते है।

दो या दो से अधिक वर्णों के परस्पर मिलने सेजो विकास या परिवर्तन होता है उसे संधि कहते है।

समास – दो या दो से अधिक पदों के योग को समास कहते है। समास की प्रक्रिया में आए दोनों पदों के मध्य के योजक, संबंधबोधक, परसर्ग आदि विलुप्त हो जाते है।

(ब) भाव पल्लवन –

1. हमारी भारतीय संस्कृति के जीवन मूल्य और आदर्श आज के बदलते आदर्शों के युग में भी महत्व रखते है, भारतीय समाज में आज भी उन आदर्शों को श्रद्धा और विश्वास की दृष्टि से देखा जाता है।

इससे प्रमाणित होता है कि हमारी संस्कृति की जड़े भी काफी मजबूत हैं, संस्कृति के आदर्शों और मूल्यों को सरलता से समाप्त नहीं किया जा सकता।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल चार अंक प्राप्त होंगे। (2+2=4 अंक)

उत्तर 16. प्राचीन भारत में तक्षशिला और नालंदा जैसे महान विश्वविद्यालय थे, जिनमें भारत के अतिरिक्त सुदूर देशों के विद्यार्थी भी भाषा, व्याकरण, दर्शन शास्त्र, औषधि, विज्ञान, सर्जरी, धनुर्विद्या, एकाउंट्स, वाणिज्य, भविष्य विज्ञान, दस्तावेजीकरण, तंत्र विद्या, संगीत और नृत्य तथा छिपे खजानों की शिक्षा प्राप्त करने आते थे। इसलिए अतीत में शिक्षा के क्षेत्र में भारत को बहुत उन्नत कहा गया है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

केरल गांवों में भोजन के अंत में जीरे से उबाला हुआ कुनकुना पानी पीने के काम में लाया जाता है। वहां रहन–सहन का स्तर ऊंचा है। गरीबों के नारियल के अवयवों से बने घर भी बिलकुल स्वच्छ होते है, प्रत्येक घर के आंगन में दस पांच नारियल, दो–चार केले, कटहल के पेड़ अवश्य होते है। गांव की प्रत्येक गली साफ सुथरी होती है। अधिकांश गांवों में बिजली है। पोस्ट ऑफिस, छोटा दवाखाना और स्कूल है। दो–चार गांवों के बीच हाई स्कूल और बीस–पच्चीस गांवों के बीच कॉलेज की व्यवस्था है, गांव–गांव में हिन्दी बोलने वाले है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– कवि का नाम– बालकवि वैरागी, पाठ का नाम– माँ।

प्रसंग :– प्रस्तुत कविता संकलित है इस कविता में कवि द्वारा मां से वरदान स्वरूप वह शक्ति मांगी गई, जिसके आधार पर जीवन में आने वाली कठिनाइयों पर विजय प्राप्त की जा सके।

व्याख्या :– कवि मां से कहता है कि हे मां! मुझे केवल आपसे यही वरदान चाहिए कि चाहे जीवन रूपी मार्ग कांटों से भरा हो और मेरा जीवन विभिन्न प्रकार के कष्टों और संकटों से घिरा हो, फिर भी मेरी यही अभिलाषा है कि मैं समस्त, दुखों, कष्टों और संकटों से संघर्ष करता हुआ हर क्षण निरंतर आगे बढ़ता रहूं।

(1+1+3=5 अंक)

अथवा

पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– कवि– रहीम, पाठ का नाम– रहिमन–विलास।

प्रसंगः– प्रस्तुत दोहे में कवि ने कुसंगति से बचने की सलाह दी है।

व्याख्याः– रहीम जी जीवन के व्यवहारिक पक्ष पर प्रकाश डालते हुए कहते है कि मनुष्य अनेक प्रकार की औषधियों का प्रयोग स्वस्थ रहने के लिए करता है किंतु रोग उसका साथ नहीं छोड़ते है। इतनी दवाईयां खाने के बाद भी मनुष्य रोगी बना रहता है। खग अर्थात पक्षी और हिरण आदि पशु पक्षी सब वन में निवास करते है, वे सदा निरोग रहते है। रोग उनके निकट नहीं आते। उन अनाथों के स्वामी स्वयं ईश्वर है। कहने का अभिप्राय यह है कि प्राकृतिक वातावरण में रहने से आरोग्य में वृद्धि होती है। अतः मनुष्य को स्वस्थ रहने के लिए प्रकृति के निकट रहना चाहिए।

विशेष :–

1. कवि ने मनुष्य को स्वस्थ रहने के लिये प्राकृतिक वातावरण में रहने का परामर्श दिया है।
2. अवधी भाषा है। बहुमेषण, व्याधि, खग, मृग, हरि आदि तत्सम शब्द है।

3. दोहा छंद है।

4. दृष्टांत अलंकार है।

(1+1+2+1=5 अंक)

उत्तर 18. अपठित पद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. कवि नवयुवकों को प्रेरणा प्रदान करते हुए कहा रहा है कि तुम्हें नयी–नयी आजादी मिली है। फलतः राष्ट्र को सजाने संवारने का काम तुम्हारे कंधों पर टिका है। अपनी पृथ्वी अपना मधुमास एवं चांदनी भी स्वतंत्र है। प्रत्येक दीपक स्वतंत्र है। शक्ति उदस्त स्त्रोत दामिनी (बिजली) भी स्वतंत्र है। अतः इन शक्तियों के माध्यम से देश का नया निर्माण करना है।

उत्तर 2. शीर्षक – देश का नव निर्माण।

उत्तर 3. कवि नवयुवकों को सम्बोधित कर रहा है।

उत्तर 4. कवि चाहता है कि नवयुवक अपनी शक्ति के माध्यम से देश का नव निर्माण करें।

(2+1+1+1=5 अंक)

उत्तर 19. अपठित गद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. शीर्षक– संघर्ष एवं प्रतिस्पद्धा।

उत्तर 2. सारांश– आज का मानव प्रतिस्र्द्धा एवं संघर्ष से बुरी तरह ग्रस्त है। बुनियादी समस्याएं गूलर का फूल हो गई है। व्यक्तिगत स्वार्थ सब पर हावी है।

उत्तर 3. वर्तमान युग में जीवन स्तर को अधिकाधिक उन्नत करने का संघर्ष अवलोकनीय है।

उत्तर 4. वर्तमान युग में नैतिक और सामाजिक मूल्यों के पतित होनेकी बात कही गई है।

(2+1+1+1=5 अंक)

उत्तर 20.

प्रति,

श्रीमान प्राचार्य महोदय,
महात्मा गांधी उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय
विदिशा (म.प्र.)

विषयः– चरित्र प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु आवेदन पत्र।

महोदय जी,

निवेदन है कि मेरा चयन पी.एम.टी. में हो गया है। प्रवेश के लिए आवश्यक कागजों में मुझे अंतिम संस्था प्रमुख का चरित्र प्रमाण पत्र लगाना आवश्यक है। मैंने इसी वर्ष आपके विद्यालय से 12वीं की परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है। मेरा विस्तृत विवरण निम्नवत है –

नाम	–	संजय कुमार
पिता का नाम	–	श्री नीरज कुमार
कक्षा	–	12वीं ''अ''
छात्र रजि. संख्या	–	10/239

मैं कक्षा 6 से ही प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होता रहा हूँ। खेलों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भी मैं बढ़–चढ़ कर हिस्सा लेता रहा हूँ और कई पुरस्कार जीतता रहा हूँ। मैंने सदैव अपने गुरूजनों, साथियों एवं विद्यालय के अनय कर्मचारियों के साथ सम्मानित व्यवहार किया है। मैं विद्यालय का एक अनुशासित छात्र रहा हूँ।

कृपया मुझे चरित्र प्रमाण पत्र प्रदान करने की कृपा करें।

आपका आज्ञाकारी शिष्य

संजय कुमार
75, मालवीय कुंज, विदिशा

(1+3+2 = 5 अंक)

अथवा

17/15 तिलक नगर
ग्वालियर
28 अगस्त, 2012

प्रिय मोहन,

तुम्हें यह जानकर प्रसन्नता होगी कि मैं दिनांक 30 अगस्त को अपना जन्मदिवस मना रहा हूँ। घर में इसके लिए अच्छी तैयारियां की गई है। इस अवसर पर स्वल्पाहार एवं भोजन की भी व्यवस्था की गई है। गत वर्ष तुम इस अवसर पर परीक्षा होने के कारण नहीं आ सके परंतु इस बार अवश्य आना। तुम्हारे बिना इस पार्टी का रंग फीका रह जायेगा। तुम इस अवसर पर होंगे तो मुझे बेहद खुशी होगी। आशा है तुम समय से पूर्व आकर तैयारी में उत्साह बढ़ाओंगे।

पूज्य पिताजी और माताजी को मेरा प्रणाम कहना।

तुम्हारा मित्र
रविन्द्र सिंह

(1+3+2 = 5 अंक)

उत्तर 20. **निबंध लेखन –**

<u>कम्प्यूटर : आज के जीवन की आवश्यकता</u>

प्रस्तावनाः– वर्तमान युग कम्प्यूटर युग है। यदि भारत वर्ष पर नजर दौड़ाकर देखे तो हम पाएंगे कि आज जीवन के लगभग सभी क्षेत्रों में कम्प्यूटर का प्रवेश हो गया है। बैंक, रेल्वे–स्टेशन, हवाई–अड्डे, डाक खाने बड़े–बड़े उद्योग कारखाने व्यवसाय हिसाब–किताब, रूपये गिनने तक की मशीनें कंप्यूटरीकृत हो गई है। अब भी यह कंप्यूटर का प्रारंभिक प्रयोग है। आने वाला समय इसके विस्तृत फैलाव का संकेत दे रहा है।

कम्प्यूटर आज की जरूरत :– प्रश्न उठता है कि क्या कंप्यूटर आज की जरूरत है? क्या इसके बिना काम नहीं चल सकता है? इसका उत्तर है– कम्प्यूटर जीवन की मूलभूत अनिवार्य वस्तु तो नहीं है, किन्तु इसके बिना आज की दुनिया अधूरी जान पड़ती है। सांसारिक गतिविधियों परिवहन और संचार उपकरणों आदि का ऐसा विस्तार हो गया है कि उन्हें सुचारू रूप से चलाना अत्यंत कठिन होता जा रहा है। पहले मनुष्य जीवन भर में अगर 100 लोगों के संपर्क में आता था तो आज वह 2000 लोगों के संपर्क में आता है। पहले वह दिन में 5–10 लोगों से मिलता था तो आज 50–100 लोगों से मिलता है। पहले वह दिन में काम करता था तो आज राते भी व्यस्त रहती है। आज व्यक्ति के संपर्क बढ़ रहे है, व्यापार बढ़ रहे है, गतिविधियां बढ़ रही है, आकांक्षाएं बढ़ रही है, साधन बढ़ रहे है।

''यहां सतत् संघर्ष विफलता कोलाहल का राज है।
अंधकार में दौड़ लग रही है, मतवाला यह सब समाज है।।''

सुव्यवस्था लाने में सहयोग :– इस अनियंत्रित गति को सुव्यवस्था देने की समस्या आज की प्रमुख समस्या है कहते है आवश्यकता आविष्कार की जननी है। इस आवश्यकता ने अपने अनुसार निदान ढूंढ़ लिया है। कंप्यूटर एक ऐसी स्वचलित प्रणाली है जो कैसी भी अव्यवस्था को व्यवस्था में बदल सकती है। हड़बड़ी में होने वाली मानवीय भूलों के लिए कंप्यूटर राम बाण औषधि है। क्रिकेट के मैदान में अंपायर की निर्णायक भूमिका हो या लाखों करोड़ों अरबों की लंबी–लंबी गणनाएं कंप्यूटर पलक झपकते ही आपकी समस्या हल कर

सकता है। पहले इन कामों को करने वाले कर्मचारी हड़बड़ाकर काम करते थे, एक भूल से घबड़ाकर और अधिक गड़बड़ी करते थे। परिणामस्वरूप काम कम, तनाव अधिक होता था। अब कम्प्यूटर की सहायता से काफी सुविधा हो गई है।

ज्ञान का भंडार :– कंप्यूटर ने फाइलों की आवश्यकता कम कर दी है। कार्यालय की सारी गतिविधियां फ्लौपी में बंद हो जाती है इसलिए स्टोरों की जरूरत अब नहीं रही। अब समाचार पत्र भी इंटरनेट के माध्यम से पढ़ने की व्यवस्था हो गई है। विश्व के किसी कोने में छपी पुस्तक, फिल्म घटना की जानकारी इंटरनेट पर ही उपलब्ध है। एक समय था जब कहते थे कि विज्ञान ने संसार को कुटुंब बना दिया है। कंप्यूटर ने तो मानों उस कुटुम्ब को आपके कमरे में उपलब्ध करा दिया है। संभव है कंप्यूटर की सहायता से आप मनचाहे सवाल का जवाब दूरदर्शन या इंटरनेट से ले पाएंगे। शारीरिक रूप से नहीं काल्पनिक रूप से जिस मौसम का, जिस प्रदेश का आनंद उठाना चाहे उठा सकते है।

उपसंहार :– आज टेलीफोन, रेल, फ्रिज, वाशिंगमशीन आदि उपकरणों के बिना नागरिक जीवन जीना कठिन हो गया है। इन सबके निर्माण या संचालन में कंप्यूटर का योगदान महत्वपूर्ण है। रक्षा उपकरणों, हजारों मील की दूरी पर सटीक निशाना बांधने, सूक्ष्म से सूक्ष्म वस्तुओं को खोजने में कंप्यूटर का अपना महत्व है। आज कंप्यूटर ने मानव जीवन को सुविधा, सुव्यवस्था और सटीकता प्रदान की है। अतः आज जीवन में कंप्यूटर पूरी तरह से प्रभावशाली बन गया है।

प्रस्तुतिकरण 2 अंक, विषयवस्तु 4 अंक, भाषाशैली 2 अंक, उपसंहार 2 अंक।
उपरोक्तानुसार लिखने पर पूर्ण 10 अंक 10 अंक प्राप्त होंगे

– – – – – –